चैत्र का यज्ञ महोत्सव

रामनवमी यज्ञ की

ड्यूटी-योग्यता-युक्ति

(सेवा-भाव)

(भाग - 7)

सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजिस्टर्ड)

अनुक्रमणिका

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
1.	**चैत्र का यज्ञ (सामान्य नीति)**	1
2.	**यज्ञ से पूर्व तैयारी की ड्यूटी-योग्यता-युक्ति**	3
i)	स्थानों का चयन	5
ii)	सफाई अभियान	6-7
iii)	निमन्त्रण पत्र भेजना और निवास स्थान के बारे में सूचित करना	8
iv)	लंगर के लिए दालें, चावल, मसाले, राशन इत्यादि खरीदना व पूर्वत: ईंधन का इंतजाम करना	9-10
v)	लंगर के लिए खरीदे हुए राशन व सामान इत्यादि को चुनना और साफ करना	11-12
vi)	तंबू (Tents) व्यवस्था	13-14
vii)	सुरक्षा (Security) प्रबन्ध	15-16
viii)	बिजली एवं साज-सजावट	17-19
ix)	यज्ञ पर आने वाले सजनों की अगवानी करना	20-21
3.	**ड्यूटी सच्चेपातशाह जी के कमरे में**	23
i)	स्टेज बनाना	25
ii)	बिछाई व सवारी लाना	26
iii)	रखवाली	27
iv)	आरती	28
4.	**शोभा-यात्रा पर ड्यूटी-योग्यता-युक्ति**	29
	शोभा-यात्रा की ड्यूटी लिस्ट	**31**
i)	शोभा-यात्रा (सामान्य नीति)	32
ii)	शोभा-यात्रा चलाने का क्रम	33-36
iii)	रथ यात्रा के लिए टैम्पू व पालकी सजाना	37

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
iv)	रथ पर पालकी के आगे शास्त्र पर बैठना व चंवर झुलाना	38
v)	जल वितरण	39
vi)	शोभा-यात्रा नियन्त्रण, संचालन व चौकसी	40
vii)	शोभा-यात्रा के दौरान संदेश, जयकारे लाऊडस्पीकर पर बोलना	41
viii)	बैनर पकड़ना	42
ix)	शोभा-यात्रा की अगवानी पर पुष्प वर्षा करना	43
5.	**प्रातः परिक्रमा**	44
6.	**जहाँ पाठ रखा जाता है उस हाल में ड्यूटी-योग्यता-युक्ति**	45
	चैत्र के यज्ञ पर हाल में ड्यूटी देने वाले सजनों की सूची	47-48
i)	स्टेज बनाना	49-51
ii)(क)	बिछाई (स्टेज की)	52
(ख)	हाल में नीचे दरियों की बिछाई व उसकी सफाई	53
iii)	पुस्तकें उठाना और चंवर झुलाना	54
iv)	जोत जगाना	55
v)	चरखा कातना	56
vi)	महाबीर जी के सिंहासन पर चंवर झुलाना	57
vii)	स्टेज के दाईं ओर मन में नाम चलाने और हनुमान चालीसा पढ़ने की एवं स्टेज के बाईं ओर मन में सिमरन करने और हनुमान चालीसा पढ़ने की	58-59
viii)	विधि करना व कीर्तन बोलना	60-61

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
ix)	साज (हारमोनियम, ढोलकी व रोड़ा) बजाना	62
x)	तिलक → हिन्दी की	63-64
xi)	रामायण, शास्त्र व पंजाबी की रामायण पढ़ना	65-66
xii)	नाम-ध्यान में रहकर पहरा देना व समयानुसार सब सजनों की ड्यूटी बदलना	67-69
xiii)	आरती	70
xiv)	पंजीरी का प्रशाद	71
xv)	भोग लगाना	72
xvi)	कंजक के प्रशाद को भोग लगवाकर कंजक देना	73
xvii)	रामायण हिन्दी की, पंजाबी की व सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के पाठ का भोग दोपहर एक बजे डालना।	74
7.	**पंडाल में जहाँ सात दरवाजे बनते हैं - वहाँ सत्संग-कीर्तन की ड्यूटी-योग्यता-युक्ति**	75
i)	सत्संग का दोपहर व रात्रि में शुरू होने व समाप्ति का समय-विवरण	77
ii)	स्टेज बनाना	78-83
iii)	बिछाई	84-85
iv)	सवारी ले जाना व चंवर करना तथा समाप्ति पर यथास्थान रखना	86-87
v)	विधि करना व कीर्तन बोलना	88-89
vi)	साज (हारमोनियम, ढोलकी व रोड़ा) बजाना	90
	केवल मंगलवार को (यदि कोई मंगलवार यज्ञ के दौरान आए तो अन्य ड्यूटियां)	91

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
vii)	तिलक **(केवल मंगलवार को)**	93-94
viii)	आरती **(केवल मंगलवार को)**	95-96
ix)	अमृत बनाना **(केवल मंगलवार को)**	97-98
x)	भोग लगाना **(केवल मंगलवार को)**	99
xi)	अमृत व प्रशाद बाँटना **(केवल मंगलवार को)**	100
xii)	शास्त्र पढना **(किसी मंगलवार के आ जाने पर रामायण पढ़ना)**	101-103
xiii)	सभा को अनुशासित कर पंक्तिबद्ध बिठाना और क्रम-अनुसार आगे माथा टेकने के लिए भेजना व सोए सजनों को जगाना	104-105
xiv)	रूमाला देना	106
xv)	रूमाला चढ़वाना	107
xvi)	चोले डालना	108
8.	**हवन** **(ड्यूटी-योग्यता-युक्ति)**	109
i)	हवन (सामान्य नीति)	111-112
ii)	हवन	113-115
iii)	हवन में सहायक सजन (राम नवमी यज्ञ पर हवन के लिए आवश्यक सामान की सूची)	116-117
iv)	माईक पर हवन की विधि बोलना	118

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
v)	हवन के दौरान गेट पर ड्यूटी देना	119
9.	**यज्ञ के दौरान सामान्य प्रबन्ध की (ड्यूटी-योग्यता-युक्ति)**	121
i)	हार पिरोना	123
ii)	कार्यालय (ऑफिस) प्रबन्ध	124-126
iii)	रूमालों को सम्भालना	127
iv)	नाम देना	128
v)	खजाना	129
vi)	लाऊडस्पीकर	130
vii)	जोड़ों पर	131
viii)	पानी पिलाना	132
ix)	स्टाल्स	133
x)	प्रत्येक धर्मशाला की सुरक्षा व्यवस्था	134-135
xi)	दवा खाना (औषधालय)	136
xii)	यज्ञ समाप्ति पर प्रशाद देना	137
10.	**लंगर प्रबन्ध**	139
i)	राशन (स्टोर)	141
ii)	बर्तन	142
iii)	झूठे बर्तन धोना व उठाना	143
iv)	सब्जी और फल खरीदना	144
v)	तंदूर	145
vi)	लंगर बनवाना	146-147
vii)	चाय और दूध	148
viii)	सिक्योरिटी (सुरक्षा) गेट पर	149
ix)	लंगर के प्रत्येक सेवादार के लिए समझौता व ड्यूटी करने की युक्ति	150-151

क्रमांक	ड्यूटी का विषय	पृष्ठांक
11.	**मीटिंग (ड्यूटी-योग्यता-युक्ति)**	153
i)	स्टेज बनाना	155
ii)	बिछाई करना	156
iii)	पुस्तकें उठाना	157
iv)	विधि करना	158
v)	साज (हारमोनियम, ढोलक व रोड़ा) बजाना	159
vi)	मीटिंग का संदेश देना	160-161
vii)	बिछाई समेटना	162
12.	**मालिक के प्यारों को बाँटना (कार्यरत सेवादारों को देना)**	163-164
13.	**भोग डालना और सप्तम दिवस सवारी यथास्थान ले जाना**	165
14.	**यज्ञ की समाप्ति**	166

1

चैत्र का यज्ञ (सामान्य नीति)

1. राम-नवमी का यज्ञ महोत्सव प्रतिवर्ष चैत माह के छटे नवरात्रे को आरम्भ होता है और इसकी समाप्ति रामनवमी के दिन होती है। यज्ञ आरम्भ होने से एक दिन पहले शोभा-यात्रा निकलती है और उससे एक दिन पहले यानि चौथे नवरात्रे को अपनी-अपनी ड्यूटियों से सम्बंधित समस्त सेवादारों को कार्य-संचालन के लिए यज्ञ-स्थल पर पहुचँना आवश्यक होता है।

2. चूँकि समस्त ड्यूटियाँ सेवादारों ने अफुर अवस्था में रहते हुए शांतिपूर्वक करनी होती हैं इसीलिए सभी ड्यूटी वाले सजनों ने यज्ञ पर आने से एक हफ्ता पूर्व ही नाम-अक्षर में जुड़ जाना है और अपनी-अपनी ड्यूटी के दौरान नाम अक्षर चलाते रहना है।

3. सभी ड्यूटी वाले सजनों ने यज्ञ पर आने से पूर्व एक सप्ताह ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना है।

4. आपस में बातचीत नहीं करनी, मौनव्रत में रहते हुए सबने अपनी ड्यूटी निभानी है।

नोट: राम नवमी यज्ञ की सारी नीति 'तीनों यज्ञों की विधि' वाली पुस्तक में वर्णित विधि के अनुसार ही करनी है।